ECONOMICS TIMES N.D 2/5/18

माइनिंग फर्मों के निवेश बढ़ाने से बालकृष्ण इंडस्ट्रीज को फायदा

आशुतोष श्याम ईटीआईजी

माइनिंग और एग्रीकल्चर एप्लिकेशन यूज वाले ऑफ हाईवे टायर्स (OHT) की मैन्युफैक्चरर बालकृष्ण इंडस्ट्रीज का वॉल्यूम आनेवाले समय में बढ़ सकता है। एक्सपोर्ट मार्केट में इसके प्रॉडक्ट्स की मांग बढ़ सकती है। कैटरपिलर और मिचलिन जैसी ग्लोबल कंपनियों की तरफ से उत्साह बढ़ानेवाली कमेंटरी आई हैं। अमेरिकी कंपनी कैटरपिलर ने मौजूदा साल के लिए अपनी प्रॉफिट ग्रोथ का अनुमान 23% बढ़ाकर $10.25-11.25 प्रति शेयर कर दिया है। उसने कई माइनिंग कंपनियों के नए प्रोजेक्ट्स और मौजूदा टायरों के रिप्लेसमेंट पर निवेश करने के चलते यह कदम उठाया है। बालकृष्ण इंडस्ट्रीज कैटरपिलर की एक OHT सप्लायर है।

फ्रांसीसी टायर कंपनी मिचलिन ने भी 2018 में स्पेशियलिटी टायर की सेल्स वॉल्यूम ग्रोथ 7-10% रहने का अनुमान दिया है। कंपनी को 2018 के पहले क्वॉर्टर में डॉलर टर्म में स्पेशियलिटी की रेवेन्यू ग्रोथ 22% रहने की उम्मीद है। OHT का ग्लोबल मार्केट $12 अरब का है। इसमें ऑफ रोड टायर्स और एग्रीकल्चर टायर्स शामिल हैं। बालकृष्ण इंडस्ट्रीज प्रॉडक्शन का लगभग 90% हिस्सा एक्सपोर्ट कर देता है। कंपनी की सेल्स में एग्रीकल्चर एप्लिकेशन का हिस्सा लगभग दो तिहाई है। कंपनी को बाकी कमाई OTR सेगमेंट से होती है जिसमें कंस्ट्रक्शन, माइनिंग और इंडस्ट्रियल एप्लिकेशन शामिल हैं। ग्लोबल ओटीआरं सेगमेंट में बालकृष्ण का हिस्सा लगभग 3% जबकि एग्रीकल्चर सेगमेंट में 10% मार्केट शेयर है। OHT सेगमेंट में डिमांड बढ़ने से लॉन्ग टर्म में वॉल्यूम ग्रोथ को सपोर्ट मिलेगा। इससे कंपनी को ज्यादा मार्केट शेयर हासिल करने में मदद मिलेगी। कंपनी के मैनेजमेंट ने अगले 10 साल में 12 से 15% सालाना वॉल्यूम ग्रोथ हासिल होने की गाइडेंस दी है। कंपनी के प्रॉडक्ट्स ग्लोबल कॉम्पिटिटर्स से 20-30% सस्ते हैं। कंपनी ने सितंबर क्वॉर्टर के रिजल्ट्स के बाद

फिस्कल ईयर 2018 में 1,90,000-1,95,000 टन की वॉल्यूम गाइडेंस दी थी। यह 10-13% सालाना वॉल्यूम ग्रोथ के बराबर है।

फिस्कल ईयर 2018 के पहले नौ महीनों में कंपनी का वॉल्यूम 15 पर्सेंट बढ़कर 145,211 टन पर पहुंच गया। एनालिस्टों ने कंपनी की वॉल्यूम ग्रोथ फिस्कल ईयर 2019 में 16% और उससे अगले फिस्कल में 15% रहने का अनुमान दिया है। हाई वॉल्यूम निकलने से फैक्टरियों का यूज ज्यादा होने के चलते डेप्रिसिएशन से पहले कंपनी का ऑपरेटिंग (EBITDA) मार्जिन बढ़ सकता है। कंपनी ने भुज में नई यूनिट लगाई है जहां सालाना 1,40,000 टन OHT तैयार किया जा सकता है। यह कंपनी की सबसे सक्षम यूनिट में एक है। इसलिए टोटल वॉल्यूम में भुज प्लांट के प्रॉडक्शन का योगदान बढ़ने से कंपनी के मार्जिन में भी बढ़ोतरी होगी।

कंपनी इसके अलावा 150 करोड़ रुपये के निवेश से सालाना 60,000 टन कैपेसिटी वाला एक ब्लैक कार्बन प्लांट भी लगा रही है। यह कंपनी के लिए बैकवार्ड इंटीग्रेशन जैसा होगा क्योंकि कंपनी को हर साल 50,000 टन कार्बन ब्लैक की जरूरत होती है। बैकवार्ड इंटीग्रेशन से कंपनी के मार्जिन में 100 से 150 बेसिस प्वाइंट्स की बढ़ोतरी होगी।